



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2009

HINDI HOME LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

70 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 7 pages.
 2. Read the instructions to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the answer book for rough work. Strike off all rough work before handing in your answer book.
-

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए ।

गोस्वामी तुलसीदास

तुलसीदास जी हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ कवि थे । उनका जन्म लगभग साढ़े चार सौ वर्ष पहले हुआ था । जन्मते ही उनकी माता की मृत्यु हो गई । पिता ने उन्हें कुलक्षण समझकर त्याग दिया । माता-पिता के प्यार से वंचित रहकर उनको दर-दर की ठोकरें खानी पड़ीं । तुलसीदास जी बचपन से राम-राम जपा करते थे । इस लिए लोगों ने उसका नाम राम बोला रख दिया ।

एक दिन इधर-उधर भटकता हुआ रामबोला किसी मन्दिर में चला गया । जहाँ पर उन्हें बाबा नरहरिदास जी से भेंट हुई । बाबा नरहरिदासजी रामबोला को असहाय जानकर अपने आश्रम में ले गये । उन्होंने उनका नाम रामबोला से बदलकर तुलसीदास रखा । आश्रम में तुलसीदास जी की शिक्षा-दीक्षा आरम्भ हुई । वे पढ़ लिखकर संस्कृत के बड़े विद्वान बने । तुलसीदास जी का विवाह रत्नावली नाम की कन्या से हुआ । तुलसीदास जी रत्नावली को बहुत चाहते थे ।

एक दिन तुलसीदास जी काम पर चले गये । इधर रत्नावली के मायके से बुलावा आया कि उसके पिता बहुत बीमार हैं । रत्नावली पिता को देखने चली गई । जब तुलसीदास जी घर लौटे तो रत्नावली को न देखकर बहुत उदास हुए । रात्रि होने वाली थी । बड़ी जोरों से वर्षा हो रही थी । नदी-नाले उमड़ पड़े थे । गंगा नदी में बाढ़ आ गई थी । फिर भी तुलसीदास जी गंगा नदी पार करके ससुराल जा पहुँची ।

तुलसीदास जी को इस प्रकार आते देखाकर रत्नावली बड़ी लज्जित हुई । उसने क्रोध भरे शब्दों में अपने पति से कहा “हे नाथ ! जितना प्रेम आप मुझसे करते हैं, उतना प्रेम यदि “श्रीरामजी” से करते तो आप को मुक्ति मिल जाती । आप का बेड़ा पार हो जाता !” रत्नावली की ये बातें तुलसीदास जी के

हृदय में तीर की भाँति लगीं । वे तत्काल वहाँ से लौट पड़े और वैरागी बनकर श्रीराम जी के प्रचार में लग गये । उस समय से वे गोस्वामी तुलसीदास कहलाने लगे ।

रामायण संस्कृत भाषा में लिखी हुई थी । गोस्वामी तुलसीदास जी ने उसका हिन्दी में अनुवाद किया ।

रामायण को रामचरित्र मानस कहते हैं। रामायण परिवार, व्यक्ति और समाज के लिए अनुपम ग्रंथ है। इस में ज्ञान, भक्ति और कर्म का वर्णन बहुत सुन्दर ढंग से किया गया है। रामचरित मानस के अतिरिक्त गोस्वामी तुलसीदास जी ने ग्यारह ग्रन्थ और लिखे। रामायण का अनुवाद संसार की बहुत भाषाओं में हो चुका है।

१. तुलसीदासजी कब के कवि थे ? २
 २. तुलसीदासजी को किसका प्यार नहीं मिला ? २
 ३. तुलसीदासजी की शिक्षा दिक्षा कहाँ आरम्भ हुई ? ३
 ४. उनका नाम रामबोला क्यों रखा गया ? ३
 ५. तुलसीदासजी की शादी किससे हुई थी ? २
 ६. *रत्नावाली बड़ी लज्जित हुई* - अपने शब्दों हिन्दी में समझाई। ४
 ७. “कुलक्षण” का अर्थ क्या है ? ३
 ८. हिन्दी में व्याख्या कीजिए :
 - ८.१. “दर-दर की ठोकरे”। २
 - ८.२. “बेड़ा पार हो जाता”। २
 - ८.३. “तीर की भाँति लगीं”। २
 ९. रामायण कैसा ग्रन्थ है। ५
- {३०}

30 marks

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

जामुन का पेड़ और चींटी

एक बकरी थी। बकरी के दो बच्चे थे। दोनों बच्चे अपनी माँ के साथ साथ रहते थे। जहाँ वह जाती बच्चे भी उसके साथ जाते।
 एक दिन बकरी ने बच्चों से कहा “आज मैं जंगल से घास लाने जा रही हूँ। तुम घर पर ही रहना बाहर मत जाना”।
 बकरी का छोटा बच्चा बहुत शैतान था। वह चुपके से माँ के पीछे पीछे चला गया। जंगल के पास एक नाला था। नाले के किनारे हरी हरी झाड़ियाँ थीं। वह वहाँ पत्तियाँ खाने लगा। बकरी आगे निकल गई। नाले के किनारे एक भेड़िया पानी पी रहा था। उसने दूर से बकरी के बच्चे को देखा। भेड़िए ने सोचा अहा बकरी का बच्चा आज मैं इसे जरूर खाऊँगा। वह धीरे धीरे उसके पास गया और बोला कहो बेटे क्या कर रहे हो।
 बकरी के बच्चे ने ऊपर देखा भेड़िए को देखकर वह बहुत डर गया। वह कुछ भी न बोल सका भेड़िया फिर बोला खाओ खाओ खाओ खाओ मुझे भी बहुत दिन से खाने को न मिला आज मैं तुम्हें खाऊँगा।
 बकरी का बच्चा डरते डरते बोला भेड़िया मामा मैं तो अभी बहुत छोटा हूँ।
 भेड़िया बोला मुझे बकरी के छोटे बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं।
 बकरी का बच्चा कुछ सोचने लगा फिर बोला मामा पहले मुझे एक गाना सुना दो फिर मुझे खा लेना।
 भेड़िया बोला गाना मुझे गाना नहीं आता बकरी के बच्चे ने फिर कहा मेरी माँ तो कहती है। भेड़िया मामा बहुत अच्छा गाते हैं। यह सुनकर भेड़िया बहुत खुश हुआ वह ऊँची आवाज़ में गाने लगा। कुछ दूरी पर शिकारी कुत्ते जा रहे थे। कुत्तों ने भेड़िए की आवाज़ सुनी वे सब नाले की ओर दौड़ पड़े।
 भेड़िया आँखें बंद किए गा रहा था। एतने में कुत्ते वहाँ आ पहुँचे भेड़िया घबरा गया उसने भागने की कोशिश की पर कुत्तों ने भेड़िए को पकड़ लिया बकरी का बच्चा तेज़ी से घर भाग गया।
 (१०)

10 marks

प्रश्न ३

३.१. निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए। (१८)

TM MODERN DAIRIES An ISO 9002 Company

श्वेता

शुद्ध दानेदार घी

दाने-दाने में भरी हैं त्योहारों की खुशियां.

त्योहारों का मौसम यानी खुशियों भरा मौसम. ऐसे शुभ अवसरों पर आपको चाहिए श्वेता शुद्ध दानेदार घी. श्वेता का हर दाना आपके भोजन में भरता है ऐसा स्वाद, जो हर दिन रहे याद. इसलिए श्वेता शुद्ध दानेदार घी ही लाएं और जी भर कर खुशियां मनाएं.

श्वेताTM
शुद्ध दानेदार घी

शुद्ध हर दाना, स्वादिष्ट बनाए खाना.
मॉडर्न डेयरीज का एक उत्कृष्ट उत्पाद.
TM: व्यापार चिह्न धारक मॉडर्न डेयरीज लि.

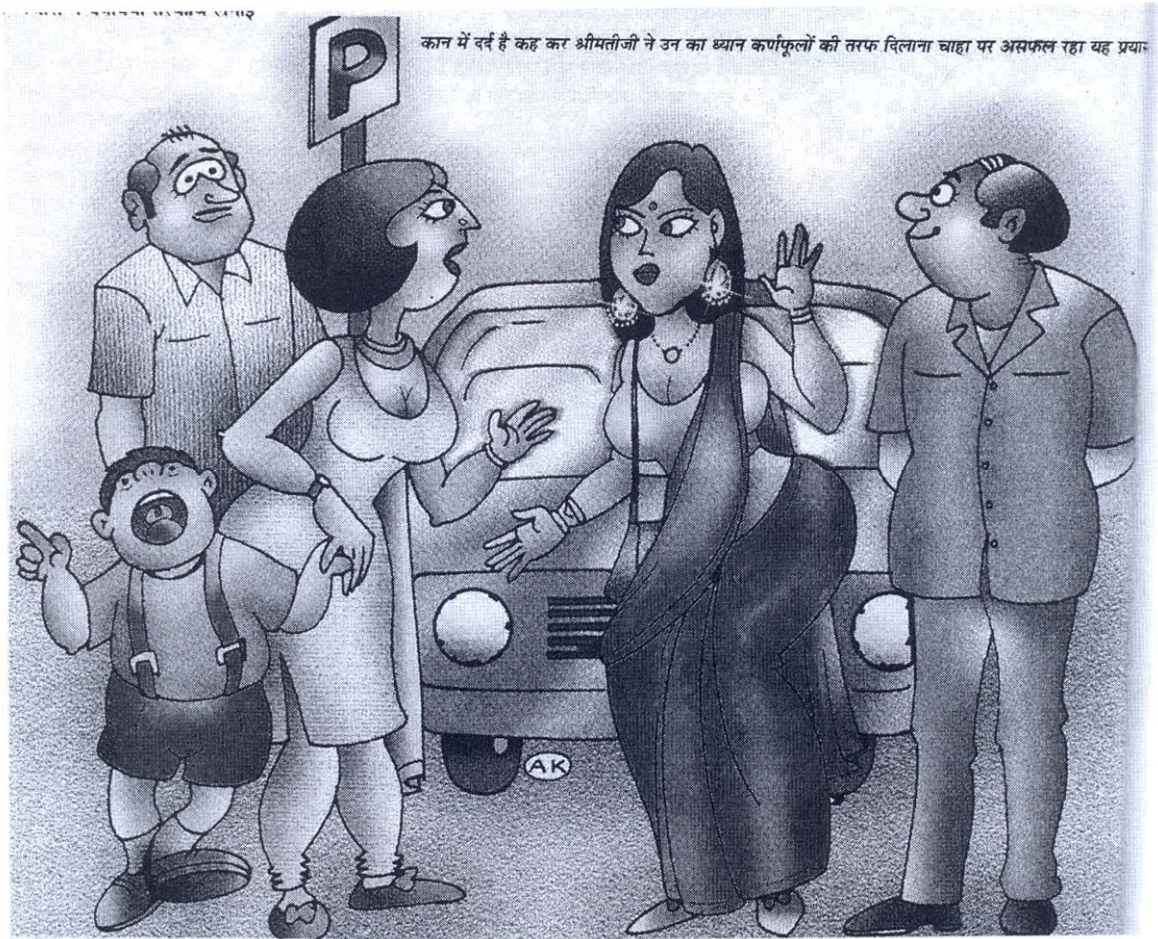
३.१.१. यह किस वस्तु का विज्ञापन है ? १

(1)

३.१.२. “दाने-दाने में भरी हैं त्योहारों की खुशियाँ” :

- ३.१.२.१. “त्योहार” शब्द क्यों प्रयोग किया गया है ? २ (2)
- ३.१.२.२. ये क्यों बड़े अक्षरों में है ? २ (2)
- ३.१.३. शुद्ध हर दाना स्वादिष्ट बनाए खाना ... यह वाक्य आप में क्या जाग्रित करता है ? ४ (4)
- ३.१.४. गाय का चित्र क्यों प्रयोग किया गया है ? ३ (3)
- ३.१.५. तीन भावात्मक शब्द विज्ञापन से चुन कर लिखिए तथा उनके भावना भी बताई ? ६ (6)

३.२. निम्न चित्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए। (१२)



- ३.२.१. इस चित्र को उचित शीर्षक दीजिए। २ (2)

३.२.२. चित्र को देखकर आप क्या सोचते हैं निम्नलिखित शब्द के अनुसार लिखिए

३.२.२.१. भावना : २ (2)

३.२.२.२. घटना : २ (2)

३.२.३. जगह के अनुसार यह लोग कौन हैं ? २ (2)

३.२.४. निम्नलिखित प्रश्नों चित्र के अनुसार उत्तर का कारण दीजिए ।

३.२.४.१. क्या बच्चा खुश है ? २ (2)

३.२.४.२. पुरुषों के चहरे कैसे हैं ? २ (2)

{३०} [७०]

30 marks

Total: 70 marks